Fourteenth Loksabha

Session : 6
Date : 14-12-2005

Participants : Shukla Smt. Karuna

>

Title : Non-supply of coal and electricity to Sponge Iron plants in Raipur, Chhattisgarh.

श्रीमती करुणा शुक्ला (जांजगीर) : माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं नये राज्य की ओर आपका ध्यान आकर्ति कराना चाहूंगी।

छत्तीसगढ़ राज्य को बने पांच वर्ा हुए हैं। अमीर धरती पर गरीब लोग इसलिए रहते हैं कि जब तक हम मध्य प्रदेश में शामिल थे, तब तक हमारे राज्य का भरपूर शोाण हुआ, पर नये राज्य के गठन के बाद भी उस शोाण में कमी नहीं आई। आज छत्तीसगढ़ में हमारे जो स्पंज आयरन के संयंत्र हैं, वे बन्द होने की कगार पर आ गये हैं। दिनांक 20.12.2005 से अनिश्चित काल के लिए वे संयंत्र बन्द हो रहे हैं।

इसके दो कारण हैं। छत्तीसगढ़ में भारतीय जनता पार्टी की सरकार को हमारे सैण्ट्रल पूल से जो 298 मैगावाट बिजली मिलती थी, हमारी वह बिजली बन्द कर दी गई, इससे हमारे संयंत्र प्रभावित हो रहे हैं। एन.एम.डी.सी. जो हमारे छत्तीसगढ़ में स्थापित है, वहां से जापान को कम दरों पर आयरन ओर उपलब्ध कराया जा रहा है और वहीं हमें महंगी दर पर आयरन ओर उपलब्ध हो रहा है और उचित मात्रा में भी नहीं हो रहा है। हमें सिर्फ दो हजार टन आयरन ओर उपलब्ध हो रहा है। सिर्फ 52 वर्ाों के लिए आयरन ओर छत्तीसगढ़ में बचा हुआ है। अगर जापान को इसी तरह से कम दरों पर आय़रन ओर सप्लाई हुआ तो अमीर धरती के गरीब लोग हमेशा के लिए गरीब हो जाएंगे।

मैं आपके माध्यम से यू.पी.ए. सरकार का ध्यान आकर्ति कराना चाहती हूं कि छत्तीसगढ़ के साथ अन्याय नहीं करें। हमारी बिजली हमें मिले, हमारा कोयला जो छत्तीसगढ़ में ही सर्वाधिक उपलब्ध है, वह कोयले की मात्रा भी हमें भरपूर मिले और एन.एम.डी.सी. द्वारा जो आयरन ओर जापान को निर्यात कराया जा रहा है और जापान जो उससे इस्पात को बनाकर समुद्र में डम्प कर रहा है, आने वाले समय में वही हमें फिर से सप्लाई करेगा। इस तरह हमारी सम्पदा का दुरुपयोग न किया जाये और छत्तीसगढ़ के साथ जो भेदभाव किया जा रहा है, उस भेदभाव को रोका जाये।

आपने मुझे बोलने का अवसर दिया, बहुत-बहुत धन्यवाद।